# UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 4 वर्षर्तुः (अनिवार्य संस्कृत)

**आकाशं ..... सुखकरो वर्तते।**

**हिन्दी अनुवाद** – आकाश में बादल छाए हैं। वर्षा होने वाली है। पानी बरसने से बच्चों और वयस्कों को बहुत खुशी होगी; वृक्षों पर नए पत्ते उग आएँगे; पुराने पत्ते झड़ जाएँगे। वर्षाजल पत्तों पर गिरकर मीठा स्वर उत्पन्न करेगा।

अध्यापक – देवदत्त! तुम कहो, बारिश के बाद किसान कौन-कौन-से कार्य करेंगे? | देवदत्त – गुरुवर! बारिश के बाद किसान खेतों में धान बोएँगे। इससे धान होगा। धान देखकर किसान के हृदय प्रसन्न हो जाएँगे।

अध्यापक – वर्षा के समय अर्थात् बरसात में लोगों को किस तरह के कष्ट का अनुभव होगा?

देवदत्त – गुरुवर! बरसात में धरती कीचड़ से भर जाएगी। इससे लोग गिरने लगेंगे। अधिक बारिश के कारण रास्ते बन्द हो जाएँगे; आवागमन में बाधा होगी; बादल गड़गड़ाएँगे और बिजली भी गिरेगी। इससे लोग डर जाएँगे। यह सब केवल कष्टकारक है; फिर भी यह ऋतु मानवों के लिए अतिशय सुखकारी है।

https://www.evidyarthi.in/